

हान्गाकान्ग ओपन : सात्विक-चिराग की जोड़ी और लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में हारे, भारतीय चुनौती समाप्त

नई दिल्ली

हान्गाकान्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी तथा पुरुष एकल में लक्ष्य सेन को हार का सामना करना पड़ा। सात्विक-चिराग को मलेशिया के मान वेई चोंग और टी काई वुन ने सीधे गेमों में हराया, जबकि लक्ष्य सेन को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में शिकस्त मिली। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी को आठवीं वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी ने 21-18, 21-19 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन को एंटोनसेन ने 21-13, 21-13 से मात दी। इस हार के साथ ही पिछले दो सप्ताह में हायलो ओपन और कुमामोटो मास्टर्स जापान का खिताब जीतने वाले लक्ष्य का लगातार जीत का सिलसिला भी थम गया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को कड़े मुकाबले में मिली हार - सात्विक और चिराग ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की और शुरुआती तीन अंक हासिल किए। हालांकि, मलयेशियाई जोड़ी ने जल्द ही वापसी करते हुए स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों जोड़ियों के बीच तेज रफ्तार और आक्रामक खेल देखने को मिला।

भारतीय जोड़ी ने नेट पर बेहतरीन रक्षात्मक खेल दिखाया, लेकिन मलयेशियाई खिलाड़ियों की सटीक प्लेसमेंट और आक्रामक स्मैश के सामने उन्हें लगातार चुनौती मिली। पहले गेम में 10-10 की बराबरी के बाद मान और टी ने ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बना ली।

मलयेशियाई जोड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त को 16-12 तक पहुंचा दिया। सात्विक और चिराग ने वापसी की कोशिश की और लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया। सात्विक ने 428 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शानदार स्मैश लगाकर स्कोर 18-19 किया, लेकिन मलेशियाई जोड़ी ने पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 7-3 की बढ़त बनाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन मान और टी ने लगातार छह अंक हासिल करते हुए 9-7 से बढ़त बना ली। ब्रेक तक मलेशियाई जोड़ी 11-9 से आगे थी। इसके बाद उसने बढ़त को 14-9 तक पहुंचा दिया।

सात्विक और चिराग ने हार नहीं मानी और जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 कर दिया। हालांकि, निर्णायक क्षणों में मलेशियाई खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

न्यूज ब्रीफ

शुभमन गिल ने डब्ल्यूटीसी में रचा इतिहास, 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने



वेलिंगटन। भारतीय कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक से भले ही दो रन दूर रह गए, लेकिन उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। गिल डब्ल्यूटीसी के इतिहास में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में जारी मुकाबले के तीसरे दिन उन्होंने 98 रन की पारी खेली। उनके साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी 3000 रन का आंकड़ा पार कर लिया। गिल के नाम डब्ल्यूटीसी में अब 3015 रन दर्ज हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 43 मैचों की 77 पारियों में हासिल की है। इस दौरान उनका औसत 43 से अधिक रहा है। गिल ने प्रतियोगिता में अब तक 10 शतक और 10 अर्धशतक लगाए हैं। इस सूची में ऋषभ पंत दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत के नाम 43 मैचों की 75 पारियों में 3003 रन हैं। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक वह 55 रन बनाकर नाबाद थे और उनके पास अगले दिन गिल को पीछे छोड़ने का अवसर रहेगा। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं।

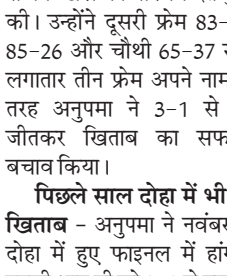
वनडे में पारी के अंत तक नाबाद रहे ये 5 सलामी बल्लेबाज



नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में पारी की पहली गेंद से लेकर अंतिम गेंद तक क्रीज पर टिके रहना और नाबाद पवेलियन लौटना एक ऐसी असाधारण उपलब्धि है, जिसे कैरीइंग द बैट कहा जाता है। यह असाधारण धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती से ही हासिल की जा सकती है। वनडे क्रिकेट के तेज रफ्तार दौर में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन कुछ दिग्गज बल्लेबाजों ने यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर अपनी टीमों के लिए अकेले किला लड़ाया है। 15 दिसंबर 1994 को सिडनी में जिम्बाब्वे के ग्रैंट फ्लावर ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी टीम के लिए यह कारनामा किया। उन्होंने संयमित अंदाज में नाबाद 84 रनों की पारी खेली, जबकि उनकी टीम 205 रनों पर सिमट गई। यह वनडे इतिहास में पहला मौका था जब किसी बल्लेबाज ने पूरी पारी में अपना बल्ला संभाले रखा और अंत तक नाबाद रहा। इसके कुछ ही महीनों बाद, 22 फरवरी 1995 को हरारे में पाकिस्तान के सईद अनवर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए इतिहास रचा। उन्होंने 103 रनों की शतकीय पारी खेली, लेकिन पाकिस्तान की पूरी टीम 219 रनों पर आलआउट हो गई, और अनवर नाबाद मैदान से बाहर आए। लक्ष्य का पीछा करते हुए यह कारनामा करने वाले वह पहले और इकलौते बल्लेबाज बने। 1 सितंबर 1996 को नाटिंघम में इंग्लैंड के निक नाइट ने पाकिस्तान के घातक तेज गेंदबाजों वसीम अकरम और वाकार यूनिस के सामने डटकर मुकाबला किया।

सैंडपेपर विवाद में जोश हेजलवुड का कमिंस को समर्थन, कप्तानी बदली तो संन्यास पर करेंगे विचार

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में वर्ष 2018 के सैंडपेपर विवाद को लेकर जारी बहस के बीच तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कप्तान पैट कमिंस का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने संकेत दिया है कि यदि आगामी टेस्ट सीरीज से पहले कमिंस को कप्तानी से हटाया जाता है तो वह अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। उनके इस बयान के बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में विवाद और गहरा गया है। यह पूरा मामला उस्मान ख्वाजा की किताब में किए गए दावों के बाद चर्चा में आया है। किताब में दावा किया गया है कि वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की घटना की जानकारी पूरी टीम को थी। इसके बाद कमिंस ने इन आरोपों को गलत बताते हुए अपना पक्ष रखा था। जोश हेजलवुड ने कहा कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्होंने मैदान पर सैंडपेपर या किसी अन्य बाहरी वस्तु के इस्तेमाल को देखा था। उन्होंने कमिंस की कप्तानी की सराहना करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाने के लिए शानदार काम किया है। हेजलवुड के मुताबिक, कमिंस के नेतृत्व में टीम की कार्यसंस्कृति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यदि पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मुकाबले में कमिंस कप्तान नहीं रहते हैं तो उनके लिए भी आगे की स्थिति पर विचार करना जरूरी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह कमिंस के बयान और उनके पक्ष का समर्थन करते हैं।



भारत की अनुपमा लगातार दूसरी बार बनीं विश्व स्नूकर चैंपियन, ईरान के अली ने जीता पुरुष खिताब

फाइनल में हांगकांग की सो मैन यान को 3-1 से हराया; अली ने टैम युन फंग को 5-1 से दी शिकस्त, पंकज आडवाणी तीसरे स्थान पर रहे

इंदौर

भारत की 24 वर्षीय अनुपमा रामचंद्रन ने लगातार दूसरी बार विश्व महिला स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। यशवंत क्लब में खेले गए फाइनल में उन्होंने हांगकांग की सो मैन यान को 3-1 से हराकर खिताब पर कब्जा बरकरार रखा। पुरुष वर्ग में ईरान के अली घरहागोजलू विश्व चैंपियन बने। उन्होंने हांगकांग चाइना के टैम युन फंग को 5-1 से शिकस्त दी। भारत के दिग्गज खिलाड़ी पंकज आडवाणी तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ (बीएसएफआई) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर यशवंत क्लब में आयोजित आईबीएसएफ वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप में 32 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। महिला वर्ग के फाइनल में अनुपमा की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हांगकांग की 44 वर्षीय सो मैन यान ने पहली फ्रेम 58-16 से जीतकर बढ़त बना ली। इसके बाद अनुपमा ने धैर्य और सटीक खेल का परिचय देते हुए वापसी की। उन्होंने दूसरी फ्रेम 83-7, तीसरी 85-26 और चौथी 65-37 से जीतकर लगातार तीन फ्रेम अपने नाम कीं। इस तरह अनुपमा ने 3-1 से मुकाबला जीतकर खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

पिछले साल दोहा में भी जीता था खिताब - अनुपमा ने नवंबर 2025 में दोहा में हुए फाइनल में हांगकांग की एनजी आन यी को 3-2 से हराकर अपना पहला सीनियर विश्व खिताब जीता था।



अब लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनकर उन्होंने अपनी उपलब्धि दोहराई है। उनका अंतरराष्ट्रीय सफर 2017 में अंडर-16 गर्ल्स वर्ल्ड ओपन स्नूकर चैंपियनशिप जीतने के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद 2023 में उन्होंने रियाद में आईबीएसएफ विश्व अंडर-21 महिला स्नूकर चैंपियनशिप और टीम स्पर्धा में विश्व महिला स्नूकर कप भी जीता था।

अली के बड़े ब्रेक के सामने नहीं टिके फंग - पुरुष वर्ग के फाइनल में ईरान के 32 वर्षीय अली घरहागोजलू ने हांगकांग चाइना के 24 वर्षीय टैम युन फंग को 5-1 से हराया। अली ने पहली फ्रेम में 55 का ब्रेक लगाकर जीत से शुरुआत की। दूसरी फ्रेम में फंग ने 73 का ब्रेक लगाते हुए मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद अली ने खेल पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। उन्होंने पांचवीं फ्रेम में 65 और छठी में 85 का ब्रेक लगाकर खिताब अपने नाम किया। यह अली का दूसरा विश्व खिताब है। वे एशियन चैंपियन भी रह चुके हैं।

पंकज आडवाणी को सेमीफाइनल में मिली हार - पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में ईरान के अली घरहागोजलू ने भारत के 29 बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी को 5-3 से हराया। अली ने शुरुआती तीन फ्रेम जीतकर बढ़त बनाई। पंकज ने चौथी और पांचवीं फ्रेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन अली ने फिर मुकाबले पर पकड़ बना ली। सातवीं फ्रेम पंकज ने 62 के ब्रेक के साथ जीती, लेकिन आठवीं फ्रेम में अली ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में टैम युन फंग ने अपने ही देश के लैंग्यी रयान ली को कड़े मुकाबले में 5-4 से हराया।

स्थानीय खिलाड़ी अमी कामानी क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं - महिला वर्ग में स्थानीय खिलाड़ी अमी कामानी ने लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी चार मुकाबले जीते थे। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में उन्हें हांगकांग चाइना की शिउ विंग मैन के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। अनुपमा रामचंद्रन ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन कीर्तना पांडियन को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड की 57 वर्षीय टेसा डेविडसन को भी 3-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में सो मैन यान ने अपनी ही देश की शिउ विंग मैन को 3-1 से हराया था। पुरुष वर्ग में पंकज आडवाणी ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन दिग्विजय कादियान को 4-2 से हराया था। वहीं, अली घरहागोजलू ने भारत के ध्वज हरिया को शिकस्त दी। हांगकांग चाइना के टैम युन फंग ने ईरान के आमीर अमीर सरखोश को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने की इंदौर की मेजबानी की सराहना - बीएसएफआई के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में यशवंत क्लब में खिलाड़ियों को मिली सुविधाओं और इंदौर की मेजबानी की अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने सराहना की। बाहर से आए खिलाड़ियों ने भी यहां की व्यवस्थाओं और मेहमाननवाजी की प्रशंसा की। आईबीएसएफ अध्यक्ष मुबारक अल खारियान ने इंदौर की मेजबानी पर खुशी जताते हुए कहा कि यहां भविष्य में भी विश्व स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकती हैं।

फाइनल मुकाबलों के बाद आईबीएसएफ अध्यक्ष मुबारक अल खारियान के आतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। इसमें भारतीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ के अध्यक्ष बालासुब्रमण्यम, सचिव सुनील बजाज, आईबीएसएफ के जिम लेसी, मध्यप्रदेश बिलियर्ड्स-स्नूकर एसोसिएशन के अध्यक्ष भोलू मेहता, महासंघ की उपाध्यक्ष अश्विनी पुराणिक और यशवंत क्लब के अध्यक्ष जीतू जैन व सचिव विजय कस्तूरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग के लिए 25 हजार डालर की पुरस्कार राशि निर्धारित थी।

आरसीबी ने मजबूत टीम बरकरार रखी, लगातार तीसरी आईपीएल ट्राफी जीतने पर नजर



नई दिल्ली

आईपीएल 2027 की तैयारियों के बीच मौजूदा चैंपियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी टीम को लेकर भरोसा जताया है। फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर का मानना है कि टीम ने पिछले सीजन में खिताब जीतने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखकर मजबूत आधार तैयार किया है। अब टीम की कोशिश आगामी मिनी नीलामी में जरूरत के अनुसार कुछ नए खिलाड़ियों को शामिल कर अपनी ताकत बढ़ाने की होगी। आरसीबी की नजर लगातार तीसरी आईपीएल ट्राफी जीतकर इतिहास रचने पर है। एंडी फ्लावर ने टीम की रिटेंशन रणनीति पर संतोष जताते हुए कहा कि पिछले दो वर्ष फ्रेंचाइजी के लिए काफी शानदार रहे हैं। अब टीम इस चक्र के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रही है और मौजूदा संयोजन को लेकर प्रबंधन आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों को रिलीज किया गया है, लेकिन नीलामी के जरिए टीम को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रहेगी।

मुख्य कोच ने स्वीकार किया कि आगामी नीलामी में आरसीबी के पास कुछ दूसरी टीमों की तुलना में खर्च करने के लिए सीमित राशि होगी। हालांकि, उन्हें इसकी चिंता नहीं है, क्योंकि टीम ने अपने ज्यादातर प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। उनके अनुसार, इन खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और आगामी सत्र में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2027 के लिए कुल 20 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें विराट कोहली, रजत पाटीदार, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, क्रुणाल पांड्या और देवदत्त पडिक्कल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इनके अलावा अभिनंदन सिंह, जैकब डफी, जितेश शर्मा, जार्डन काक्स, कनिष्क चौहान, नुवान तुषारा, रसिख डार, रोमारियो शेफर्ड, सुयश शर्मा, टिम डेविड, वेंकटेश अय्यर, विक्की ओस्तवाल और यश दयाल को भी टीम में बरकरार रखा गया है। रिटेंशन प्रक्रिया के दौरान आरसीबी ने छह खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें इंग्लैंड के बल्लेबाज जैकब बेथेल के अलावा मंगेश यादव, रिचर्ड ग्लीसन, सात्विक देसवाल, स्वप्निल सिंह और विहान मल्होत्रा शामिल हैं। टीम के पास 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली मिनी नीलामी के लिए 14.15 करोड़ रुपये शेष हैं। आरसीबी को अपने पांच खाली स्थान भरने हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन सीमित बजट में उपयोगी खिलाड़ियों को शामिल करने की रणनीति पर काम करेगा।

अरनव खंडेलवाल को दोहरा खिताब, अंडर-18 और पुरुष एकल में बने चैंपियन



इंदौर। इंदौर के अरनव खंडेलवाल ने तृतीय मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट में दोहरा खिताब जीतकर अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने बालक अंडर-18 और पुरुष एकल वर्ग के फाइनल जीतकर दोहरी सफलता दर्ज की। महिला एकल में गणेशी आन्या, बालक अंडर-14 में गर्व मालपानी और बालिका अंडर-14 में आन्या राठी विजेता रहीं। मध्यप्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब द्वारा आयोजित और साहिल ग्रुप प्रायोजित स्पर्धा के फाइनल मुकाबले खेले गए। बालक अंडर-18 एकल के फाइनल में अरनव ने अहान गनात्रा को 6-4, 6-4 से हराया। पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में उन्होंने मयंक राजन को 6-4, 6-3 से पराजित किया। महिला एकल फाइनल में गणेशी आन्या ने ऋषिना त्रिपाठी को 6-2, 6-1 से हराया। बालक अंडर-14 वर्ग में गर्व मालपानी ने रुहान तलरेजा को 6-0, 6-0 से शिकस्त दी। बालिका अंडर-14 वर्ग में आन्या राठी ने राधा माहेश्वरी को 6-1, 6-1 से पराजित किया। अंडर-12 बालक एकल के फाइनल में अद्वित भार्गव ने रेयांश पटेल को 6-2, 6-2 से हराया। बालिका अंडर-12 वर्ग में ऐषवी जैन ने जानविका यादव को 6-4, 6-2 से शिकस्त देकर खिताब जीता।

पिंक बाल टेस्ट : इन 5 गेंदबाजों का रहा है दबदबा

नई दिल्ली

डे-नाइट टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के साथ गेंदबाजों का दबदबा एक अलग ही रोमांच पैदा करता है, खासकर जब फ्लडलाइट्स की रोशनी में गेंद स्विंग और सीम करने लगती है। पिंक बाल क्रिकेट के इतिहास में सबसे घातक और सफल गेंदबाजों में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का परचम सबसे ऊपर लहराता है। दिन-रात के टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने का महारिकार्ड आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के नाम दर्ज है, जिन्हें पिंक बाल टेस्ट का निर्विवाद बादशाह कहा जाता है।



उन्होंने साल 2015 से 2025 के बीच 15 मुकाबलों की 29 पारियों में 89 विकेट अपने नाम किए हैं, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 17.11 और इकोनामी रेट 3.11 का रहा है। उन्होंने 6 बार एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट झटके हैं। इस लिस्ट में दूसरा स्थान आस्ट्रेलिया के वर्तमान कप्तान पैट कमिंस का आता है। कमिंस ने 2017 से 2025 के दौरान 9 डे-नाइट टेस्ट मैचों की 17 पारियों में 43 विकेट हासिल किए, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 17.34 और इकोनामी रेट 2.79 का रहा। उन्होंने 2 बार एक पारी में 5 विकेट और 1 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। गुलाबी गेंद से केवल तेज गेंदबाज ही नहीं बल्कि स्पिनर भी अपना जादू चला सकते हैं, यह आस्ट्रेलिया के अनुभवी आफ स्पिनर नाथन लियोन ने साबित किया है, जो तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2015 से 2024 के बीच 13 टेस्ट मैचों की 22 पारियों में 43 विकेट लिए हैं, जिनका औसत 25.62 और इकोनामी 2.57 रही।

चौथे स्थान पर आस्ट्रेलियाई पेस अटैक के एक और मजबूत स्तंभ जोश हेजलवुड का कब्जा है। हेजलवुड ने 2015 से 2025 के दौरान 9 मुकाबलों की 17 पारियों में 40 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उनका गेंदबाजी औसत 18.50 और इकोनामी रेट 2.56 का बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने 2 बार एक पारी में 5 विकेट चटकाए। इस लिस्ट में शीर्ष पांच गेंदबाजों में आस्ट्रेलिया के बाहर का एकमात्र नाम इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का है। एंडरसन ने 2017 से 2023 के बीच 6 डे-नाइट टेस्ट मैचों की 10 पारियों में 16.25 के शानदार औसत और 2.12 की बेहद कसी हुई इकोनामी से 24 विकेट हासिल किए। इस सूची में सबसे बेहतरीन इकोनामी रेट एंडरसन का ही रहा है।

मिशन 2036: ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा, आईओसी के समक्ष 26 को प्रस्तुतिकरण

नई दिल्ली

भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी।

आईओए चुनाव में उनकी अध्यक्ष पद पर दावेदारी को लेकर पनपे विवाद के बाद यह सवाल खड़े हुए थे कि उषा इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी या नहीं, लेकिन खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डा. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

उषा के नहीं होने पर पड़ता नकारात्मक प्रभाव

इस ओलंपिक के लिए सात देशों की दावेदारी के बीच यह दावा जताने की प्रारंभिक प्रक्रिया है। आने वाले वर्षों में कुछ दौर की प्रक्रियाओं के बाद 2029 के मध्य में आईओसी 2036 के ओलंपिक मेजबान की घोषणा करेगा। सूत्र बताते हैं कि उषा की ओर से भी भारत की मेजबानी पर पक्ष रखा जाएगा। आईओए एसओएम के चुनाव में हार के बाद माना जा रहा था कि खेल मंत्रालय और पीटी उषा के बीच दूरियां बन गई हैं। आईओए की ओर से उसकी स्वायत्तता में हस्तक्षेप की बात कर आईओसी को शिकायत भी की गई थी। जिस पर आईओसी ने आईओए से जवाब मांगा था, लेकिन देश सर्वोपरि की भावना के साथ उषा को इस प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। अगर उषा इस प्रस्तुतिकरण में नहीं होतीं तो इसका आईओसी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता।



आईओसी के सवालों के जवाब भी दिए जाएंगे

भारत की ओर से मेजबानी पर प्रस्तुतिकरण दिए जाने के बाद फ्यूचर होस्ट कमीशन की ओर से सवाल भी किए जाएंगे। खेल सचिव हरिरंजन राव के नेतृत्व में इसके जवाब दिए जाएंगे। सूत्र बताते हैं कि आईओसी के समक्ष देश में किस तरह खेल के अनुरूप तंत्र विकसित किया गया है, किस तरह खेलों में लैंगिक समानता पर जोर दिया गया है, इस पर प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। साथ ही मेजबान शहर अहमदाबाद में पहले से विकसित स्टेडियमों और इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारे में बताया जाएगा। साथ ही 2036 के लिए इस शहर में खेल स्टेडियमों और गेम्स विलेज को विकसित किए जाने की योजना के बारे में भी बताया जाएगा।